Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2021 = 7.380, www.srjis.com
PEER REVIEWED & REFEREED JOURNAL, SEPT-OCT, 2021, VOL- 9/67
10.21922/srjis.v9i67.8217

स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रति विश्वविद्यालयों के एम. एड. विद्यार्थियों के दृष्टिकोण का अध्ययन

चन्द्र प्रकाश सिंह

शोध विद्यार्थी, शिक्षा विद्यापीठ, महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Chandraprakashbhu@gmail.com

Paper Received On: 21 OCT 2021

Peer Reviewed On: 31 OCT 2021

Published On: 1 NOV 2021

Abstract

विभिन्न शोधों, आयोगों एवं समितियों ने शिक्षक-शिक्षा के छेत्र में गुणवत्ता पूर्ण व्यावसायिक शिक्षक-शिक्षकों के निर्माण के लिए वर्तमान शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रम में सुधार के सुझाव दिए गए है । इन्हीं सुझावों एवं वर्तमान समय की मांग को ध्यान में रखते हुए रास्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ने करिकुलम फ्रेमवर्क 2014 के अध्यादेश द्वारा एम.एड.पाठ्यक्रम में इंटर्नशिप कार्यक्रम को अनिवार्य कर दिया गया है । इस शोध पत्र में यह जानने का प्रयास किया गया है कि-इंटर्नशिप कार्यक्रम क्या है ?,इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी ?,इसके प्रति विश्वविद्यालयों के एम.एड. छात्रों का दृष्टीकोण क्या है ?, यह कार्यक्रम किस प्रकार उनके वृत्तिगत विकास में मदत कर रहा है ?, शिक्षक-शिक्षकों ने बताया कि वे किस प्रकार इस कार्यक्रम में सक्रिय सहभाग कर अपने अनुभवों को समृद्ध किए एवं किस प्रकार कि बाधाएं आयी इत्यादि । इस पेपर में विश्वविद्यालयों के एम.एड. चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों का चयन किया गया है ,एवं स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम पर उनके दृष्टीकोण को जानने का प्रयास किया गया है,आकड़ों के संग्रहण के लिए स्व निर्मित दृष्टीकोण मापनी का प्रयोग किया गया एवं काई वर्ग परीक्षण एवं प्रतिशत विश्लेषण का प्रयोग करके आकड़ों का विश्लेषण किया गया है ।

मुख्य शब्द- *इंटर्नशिप, दृष्टिकोण ।*

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

शिक्षा मानव जीवन का अभिन्न अंग है यह मानव जीवन को श्रेष्ठ बनाने का महत्वपूर्ण साधन है । इसके द्वारा मानव की योग्यताओं का अधिकतम विकास सर्वाधिक सरल,सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से किया जा सकता है यह एक ऐसा साधन है जिसके द्वारा एक समूचा समाज अपनी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति करता है । किसी भी व्यवस्था में श्रेष्ठता प्राप्त करना मुख्य उद्देश्य होता है और जब बात शिक्षा के क्षेत्र में हो रही हो तो ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है । यदि हमारी शिक्षा वह हमारे प्रयासों की गुणवत्ता उच्चतम स्तर की नहीं होगी तो हम सुव्यवस्थित सुयोग्य नागरिकों का निर्माण नहीं कर पायेंगे । गुणवत्ता एवं श्रेष्ठता को ध्यान में रखते हुए शिक्षा के क्षेत्र में इंटर्नशिप की संकल्पना को निरूपित किया गया है, इसकी उत्पत्ति उन्नीसवीं सदी के प्रारंभ में संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई जिसका मुख्य उद्देश्य सैद्धांतिक ज्ञान का वास्तविक धरातल पर कार्यानुभव के द्वारा वास्तविकता को समझना था एवं किसी विशेष रोजगार, पद, व्यवसाय से संबंधित कार्य आधारित शैक्षिक अनुभव प्राप्त करना था । आज समाज में ज्ञान एवं शिक्षा के क्षेत्र में मुख्य समस्या यह है कि सैद्धांतिक ज्ञान एवं व्यावहारिक परिस्थितियों में बड़ा

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

अंतर है इसका मुख्य कारण दोनों को स्वतंत्र समझने के कारण है। भारत में स्थापित विभिन्न शिक्षा आयोगों ने शिक्षक-शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालय एवं शिक्षक-शिक्षा संस्थान के मध्य व्याप्त दूरियों को पाटने के उद्देश्य से अपने सुझावों में शिक्षक-शिक्षा संस्थानों में इंटर्नशिप कार्यक्रम का सुझाव दिया है। राधाकृष्णन आयोग ने 12 सप्ताह के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम का सुझाव दिया था इसी प्रकार का सुझाव मुदालियर आयोग ने भी दिया था कोठारी आयोग ने भी इसका समर्थन किया है। कोई भी व्यक्ति, समाज, राष्ट्र तब तक समरस विकास नहीं कर सकता जब तक उसके सैद्धांतिक ज्ञान एवं व्यवहारिक क्रियाकलापों को पूरक के रूप में नहीं समझा जाएगा। अध्यापक शिक्षा का कोई भी कार्यक्रम अपने में पूर्ण नहीं है क्योंकि यह किसी लक्ष्य को प्राप्त करने का साधन मात्र है इसलिए इस साधन का समुचित विकास वास्तविक कार्यक्षेत्र या लक्ष्य को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए,और इस कार्य में इंटर्नशिप अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है। विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवों एवं परिणामों से यह बात साबित होती है कि इंटर्नशिप कार्यक्रम के द्वारा प्रशिक्षु को जो उसने कक्षा में सीखा है उसे पुनः सहभागिता की संस्कृति के द्वारा सीखने, समझने, अवलोकन एवं विश्लेषण करने की योग्यता का विकास एवं ज्ञान में गहराई तथा वृत्तीगत विकास में सहायता मिल रही है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के द्वारा सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों में इंटर्नशिप को सन 2014 में जारी अधिसूचना के द्वारा अनिवार्य कर दिया है।

समस्या अभिकथन

स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रति विश्वविद्यालयों के एम.एड. विद्यार्थियों के दृष्टिकोण का अध्ययन

अध्ययन का उद्देश्य

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु शोधकर्ता द्वारा निम्नलिखित उद्देश्य निर्धारित किया गया-

सामान्य उद्देश्य

स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रति एवं विद्यार्थियों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।

विशिष्ट उद्देश्य

स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रति सरकारी एवं स्ववित्तपोषित विश्वविद्यालयों के एम.एड. विद्यार्थियोंके दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अनुसंधान परिकल्पना

स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रति विश्वविद्यालयों के एम.एड.विद्यार्थियोंकी प्रतिक्रियाएं विभिन्न प्रतिक्रिया वर्गों में समान रूप से वितरित हैं।

अनुसंधान की परिसीमाएं

- प्रस्तुत अध्ययन में प्रदर्शित के रूप में विश्वविद्यालयों के एम.एड. विद्यार्थियों का चयन किया गया।
- प्रस्तुत अध्ययन में प्रतिदर्श के रूप में एक सरकारी एवं एक स्ववित्तपोषित विश्वविद्यालय का चयन किया गया।

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

- प्रस्तुत अध्ययन में प्रतिदर्श के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय को सरकारी विश्वविद्यालय के रूप में एवं स्ववित्तपोषित विश्वविद्यालय के रूप में शियाट्स विश्वविद्यालय का चयन किया गया ।
- प्रतिदर्श के रूप में केवल 60 एम.एड. विद्यार्थियों का चयन किया गया ।
- प्रस्तुत अध्ययन में प्रतिदर्श के रूप में द्विवर्षीय सेमेस्टर कार्यक्रम में अध्ययनरत एम.एड. अंतिम वर्ष के विद्यार्थियोंका चयन किया गया ।

जनसंख्या एवं न्यादर्श

प्रस्तुत शोध कार्य में चुने गए दोनों विश्वविद्यालयों(सरकारी इलाहबाद विश्वविद्यालय एवं स्ववित्तपोषित शियाट्स विश्वविद्यालय) के एम.एड. विद्यार्थी जनसंख्या के उदाहरण थे । परन्तु अध्ययन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए उद्देस्यपूर्ण प्रतिदर्श चयन विधियों के द्वारा दोनों ही विश्वविद्यालयों से तीस-तीस एम.एड.विद्यार्थियोंका चयन किया गया ।

प्रयुक्त उपकरण एवं प्रदत्त संकलन

शोधकर्ता के द्वारा इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रति एम.एड. विद्यार्थियोंके दृष्टिकोण को जानने के लिए त्री बिंदु निर्धारण मापनी (सहमत,असहमत.अनिश्चित) के रूप में स्वनिर्मित दृष्टिकोण मापनी का निर्माण किया गया जिसमें कुल 25 कथन थे ।

अनुसंधान विधि

प्रस्तुत शोधकार्य में शोधकर्ता ने समस्या के अध्ययन के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया । जिसका मुख्य लक्षण प्रश्नावलियों के द्वारा जनसंख्या या प्रतिदर्शो से क्रमबद्ध रूप से आंकड़े एकत्र करना है ।

प्रदत्तों का सांख्यिकीय विश्लेषण एवं व्याख्या

इंटर्नशिप अभिवृत्ति मापनी की सहायता से संकलित प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण काई वर्ग परीक्षण(0.01 सार्थकता स्तर) एवं प्रतिशत विश्लेषण द्वारा किया गया,जो इस प्रकार है-

1. शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रम के संदर्भ में इंटर्नशिप के निहितार्थो से परिचित हूँ ।

इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 0.01 सार्थकता स्तर पर 15.08 था वही स्ववित्तपोषित शियाट्स विश्वविद्यालय का मान 25.8 था । दोनों ही समूह का मान सारणी मान 9.210 से अधिक था अतः काई वर्ग का मान सार्थक होने के कारण शून्य परिकल्पना को निरस्त किया गया और यह माना गया कि एम. एड. विद्यार्थियोंद्वारा व्यक्त प्रतिक्रियाएं तीनों वर्गों में सामान वितरित नहीं है

2. इंटर्नशिप कार्यक्रम से पूर्व प्रशिक्षण दिया गया ।

इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का काई वर्ग मान 18.2 वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय का काई वर्ग मान 15.2 था । जो सारणी मान से अधिक है,इस आधार पर शून्य परिकल्पना निरस्त की गयी । प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 16.66 % विद्यार्थी सहमत 70% असहमत और 13.34 %

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

अनिश्चित हैं, वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय के 66.66 % सहमत, 20 % असहमत एवं 13.34 % विद्यार्थी अनिश्चित थे ।

3. इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान मैं नियमित रूप से अपने पर्यवेक्षक के संपर्क में बना रहा ।

इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 21.8 एवं शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 13.3 था, जो सारणी मान से अधिक है अतः इस आधार पर शून्य परिकल्पना निरस्त की गयी ।प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 73.3 %विद्यार्थी सहमत 10% असहमत एवं 16.66% अनिश्चित थे, वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय के 63.34% सहमत 20%असहमत एवं 13.34% विद्यार्थी अनिश्चित थे ।

4. इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान मै नियमित अपने पर्यवेक्षक से प्रतिपुष्टि प्राप्त करता रहा ।

इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 13.4 एवं शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 21.8 रहा जो सारणी मान से अधिक था, अतः इस आधार पर शून्य परिकल्पना निरस्त की गयी । प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 63.3 4% विद्यार्थी सहमत 26.66%असहमत एवं 10% अनिश्चित थे,वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय के 73.34% सहमत 16.66% असहमत एवं 10% विद्यार्थी अनिश्चित थे ।

5. इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान सम्बंधित विद्‌यालय में कृत्रिम वातावरण का निर्माण हुआ ।

इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 29.8 एवं शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 19.4 रहा जो सारणी मान से अधिक है अतः इस आधार पर शून्य परिकल्पना निरस्त की गयी,प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 60%विद्यार्थी सहमत, 23.34 प्रतिशत असहमत एवं 16.66% अनिश्चित थे वही तुलनात्मक रुप से शियाट्स विश्वविद्यालय में 70% सहमत 23.34%असहमत एवं 6.66% अनिश्चित थे ।

6. इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान सम्बद्ध विद्यालयों के शिछकों का व्यवहार सकारात्मक रहा ।

इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 18.2 एवं शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 15.8 रहा, जो सारणी मान 9.210 से अधिक है इस आधार पर शून्य परिकल्पना निरस्त की गयी, प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 70% विद्यार्थी सहमत 16.66%असहमत 13.34 प्रतिशत अनिश्चित रहे,वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय के 70%सहमत,16.66% असहमत एवं 13.34% अनिश्चित थे ।

7. इंटर्नशिप कार्यक्रम सहभागिता की संस्कृति के विकास में सहायक है ।

इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 25.4 वही शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 18.2 रहा जो सारणी मान 9.210 से अधिक है इस आधार पर शून्य परिकल्पना निरस्त की गयी,प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 76.67% विद्यार्थी सहमत

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

13.34% असहमत एवं 10% अनिश्चित थे, वहीं तुलनात्मक रुप से शियाट्स विश्वविद्यालय के 70% सहमत 16.66% अहमत एवं 13.34 %अनिश्चित थे ।

8. इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान सहपाठी समूह की भूमिका कार्यक्रम के प्रति सकारात्मक एवं सहयोगात्मक रही ।

इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 6.2 एवं शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 29.6 रहा, यहाँ इलाहाबाद विश्वविद्यालय का काई स्क्वायर मान सार्थक नहीं है अतः इस आधार पर शून्य परिकल्पना को स्वीकार किया गया, वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय का काई वर्ग मान सार्थक रहा और शून्य परिकल्पना निरस्त की गयी, प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 66.66% विद्यार्थी सहमत, 20% विद्यार्थी असहमत एवं 13.34% विद्यार्थी अनिश्चित रहें,वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय के 80% विद्यार्थी सहमत 6.66%असहमत और 13.34% विद्यार्थी अनिश्चित रहे ।

9. इंटर्नशिप कार्यक्रम शिक्षक-शिक्षकों के वृत्तिगत विकास में सकारात्मक एवं सहयोगात्मक है ।

इस कथन पर इलाहबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 29.4 एवं शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 33.8 रहा जो सारणी मान से अधिक होने के कारण सार्थक है एवं शून्य परिकल्पना निरस्त की गयी,प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 80% विद्यार्थी सहमत 10% असहमत एवं 10% अनिश्चित थे, वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय के 83.34% विद्यार्थी सहमत 6.66% असहमत एवं 10% विद्यार्थी अनिश्चित रहें

10. इंटर्नशिप कार्यक्रम सिद्धांत एवं व्यवहार के मध्य व्याप्त खांई को पाटने में सहायक है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 17.1 एवं शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 21.8 रहा जो सारणी मान से अधिक होने के कारण शून्य परिकल्पना निरस्त की गयी, प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 70% विद्यार्थी सहमत, 16.66% असहमत एवं 13.34 % अनिश्चित थे वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय में 73.33% विद्यार्थी सहमत, 13.66 %असहमत एवं 10%अनिश्चित थे ।

11. इंटर्नशिप कार्यक्रम के परिणाम स्वरुप शिक्षा के विभिन्न सिद्धांतों एवं कौशलों के प्रति समझ विकसित करने में सहायता प्राप्त हुई ।

इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 15.2 एवं शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 12.6 रहा जो सारणी मान से अधिक है अतः काई स्क्वायर का मान सार्थक है इस आधार पर शून्य परिकल्पना निरस्त की गयी, वही प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहबाद विश्वविद्यालय के 66.66 % विद्यार्थी सहमत 20% असहमत एवं 13.34% %अनिश्चित थे, वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय के63.34% विद्यार्थी सहमत 23.33% असहमत एवं 13.33% विद्यार्थी अनिश्चित थे । इस प्रकार दोनों समूहों के ज्यादातर विद्यार्थी इंटर्नशिप कार्यक्रम को सिद्धांतों एवं कौशलों के समझ में सहायक के रूप में स्वीकार करते हैं ।

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

12. इंटर्नशिप कार्यक्रम शिक्षक शिक्षकों में अवलोकन करने की क्षमता का विकास करने में सहायक है ।

इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 12.2 एवं शियाट्स विश्वविद्यालय का 29.6 रहा जो सारणी मान 9.210 से अधिक है अतः इस आधार पर शून्य परिकल्पना निरस्त की गयी । प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 63.34 % विद्यार्थी सहमत, 16.66% असहमत एवं 20% अनिश्चित रहें,वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय में 80% विद्यार्थी सहमत, 13.34% असहमत एवं 6.66% प्रतिशत विद्यार्थी अनिश्चित थे ।

13. इंटर्नशिप कार्यक्रम शिक्षक-शिक्षकों में आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास करने में सक्षम है।

इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का पररिगणित काई वर्ग मान 15.2 एवं शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 22.4 रहा जो सारणी मान से अधिक है, अतः इस आधार पर शून्य परिकल्पना को निरस्त किया गया। प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 66.66%विद्यार्थी सहमत 20% असहमत एवं 13.34 प्रतिशत अनिश्चित रहे, वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय के 73.34% सहमत, 20% असहमत एवं 6.66 %विद्यार्थी अनिश्चित रहे ।

14. इंटर्नशिप कार्यक्रम शिक्षणगत एवं शिक्षणेत्तर कौशलों के गुणवत्ता विकास एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है ।

इस कथन पर इलाहबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 25.4 एवं शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 25.8 रहा जो सारणी मान 9.210 से अधिक है अतः इस आधार पर शून्य परिकल्पना निरस्त की गयी । प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 76.66% विद्यार्थी सहमत, 10% असहमत एवं 13.44 प्रतिशत अनिश्चित थे वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय में 76.67% विद्यार्थी सहमत, 16.66% असहमत एवं 6.66% प्रतिशत अनिश्चित रहे ।

15. विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य किस प्रकार कक्षा में प्रक्रिया करते हैं इसे समझने में इंटर्नशिप कार्यक्रम शिक्षक-शिक्षकों की मदद करता है ।

16. इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 29.6 एवं शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 5.6 रहा, जहां इलाहाबाद विश्वविद्यालय का परिगणित मान सारणी मान से अधिक रहा एवं शून्य परिकल्पना निरस्त की गई वही शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित मान सारणी मान से कम होने के कारण शून्य परिकल्पना स्वीकृत की गई। प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 80% विद्यार्थी सहमत, 13.34% असहमत एवं 6.66% अनिश्चित रहे, वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय में 53.34 % विद्यार्थी सहमत 20% असहमत एवं 26.66 % अनिश्चित रहे।

17. इंटर्नशिप कार्यक्रम आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक है ।

इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का पर गणित काई वर्ग मान 6.2 एवं शियाट्स विश्वविद्यालय का काई वर्ग मान 10.4 रहा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय काई वर्ग मान सारणी मान से कम रहा एवं शून्य परिकल्पना स्वीकृत की

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

गयी, वही शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित मान सारणी मान से ज्यादा होने के कारण शून्य परिकल्पना निरस्त की गई । प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 66.66 %विद्यार्थी सहमत, 13.34% असहमत एवं 20% अनिश्चित रहे । वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय में 60% विद्यार्थी सहमत, 13.34% असहमत 26.66%अनिश्चित रहे ।

18. इंटर्नशिप कार्यक्रम विषय ज्ञान को वास्तविक परिस्थिति में क्रियान्यवन का अनुभव प्रदान करता है ।

इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का काई वर्ग मान 29.6 एवं शियाट्स विश्वविद्यालय का काई वर्ग मान 18.8 रहा दोनों ही मान सारणी मान 9.210 से अधिक है अतः काई वर्ग का मान सार्थक है इस आधार पर शून्य परिकल्पना निरस्त की गयी । प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 80% विद्यार्थी सहमत, 6.66% असहमत एवं 13.44% अनिश्चित थे, वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय के 76.34% विद्यार्थी सहमत, 10% असहमत एवं 16.66% अनिश्चित थे ।

19. इंटर्नशिप कार्यक्रम के परिणाम स्वरुप शिक्षक-शिक्षकों में ज्ञानात्मक, भावात्मक एवं क्रियात्मक पछों के विकास में मदद मिली ।

20. कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 15.8 रहा, वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 25.8 रहा जो सारणी मान से अधिक है इस आधार पर शून्य परिकल्पना निरस्त की गयी । प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 66.66% विद्यार्थी सहमत, 10% असहमत एवं 23.34% अनिश्चित रहे, वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय के 76.66% विद्यार्थी सहमत,16.66% असहमत एवं 6.66% विद्यार्थी अनिश्चित रहे ।

21. इंटर्नशिप चुनौतीपूर्ण कार्यक्रम है ।

इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 6.2 रहा जो सारणी मान से कम है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की गयी,वही शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 18.2 रहा जो सारणी मान से अधिक है इस कारण से शून्य परिकल्पना निरस्त की गयी । प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 53.34% विद्यार्थी सहमत, 16.66% असहमत एवं 30% अनिश्चित रहे, वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय में 70% विद्यार्थी सहमत, 13.34% असहमत एवं 16.66% अनिश्चित रहे ।

22. वर्तमान समय में इंटर्नशिप कार्यक्रम की प्रासंगिकता अत्यधिक बढ़ जाती है ।

इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं शियाट्स विश्वविद्यालय दोनों का परिगणित काई वर्ग मान 29.6 रहा जो सारणी मान 9.210 से अधिक है अतः इस आधार पर शून्य परिकल्पना निरस्त की गयी । प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर दोनों ही विश्वविद्यालयों के 80% विद्यार्थी सहमत, 6.66 % असहमत एवं 13.44% अनिश्चित रहे ।

23. अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम में इंटर्नशिप का अधिभार बढ़ाया जाना चाहिए ।

इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 13.4 रहा, एवं शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 3.8 रहा । जहाँ इलाहाबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान सारणी मान से

अधिक होने के कारण शून्य परिकल्पना निरस्त की गयी, वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय का काई वर्ग मान सारणी मान से कम होनें के कारण शून्य परिकल्पना स्वीकृत की गयी । प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहबाद विश्वविद्यालय के 60 % विद्यार्थी सहमत,23.3 % असहमत,एवं 16.66 %विद्यार्थी अनिश्चित थे ।वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय के 50 % विद्यार्थी सहमत,26.66 % असहमत एवं 3% विद्यार्थी अनिश्चित रहे ।

24. इंटर्नशिप कार्यक्रम के द्वारा आपके पूर्व व्यवहार की अपेक्षा वर्तमान व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं है ।

इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 10.4 रहा जो सारणी मान से अधिक है इस आधार शून्य परिकल्पना को निरस्त किया गया, वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 6.2 रहा जो सारणी मान से कम है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की गयी । प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 13.44 %विद्यार्थी सहमत 7 % विद्यार्थी असहमत, एवं 26.66 % अनिश्चित थे, वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय के 30% विद्यार्थी सहमत,16.66% विद्यार्थी असहमत एवं 53.34% विद्यार्थी अनिश्चित थे ।

25. अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम में इंटर्नशिप अनावश्यक है ।

इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 7.4 एवं शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 7.2 रहा । दोनों ही समूहों का परिगणित मान सारणी मान से कम है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की गयी । प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 20% विद्यार्थी सहमत,56.66%असहमत एवं 23.34 प्रतिशत विद्यार्थी अनिश्चित थे,वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय के 53.34% विद्यार्थी सहमत, 33.33% असहमत 13.3% अनिश्चित थे ।

26. इंटर्नशिप के दौरान संबंध विद्यालयों के विद्यार्थियों का व्यवहार नकारात्मक रहा है।

इस कथन पर इलाहबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 15.2 रहा जो सारणी मान से अधिक है इस आधार पर शून्य परिकल्पना निरस्त की गयी,वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 3.2 रहा जो सारणी मान से कम है अतः इस आधार पर शून्य परिकल्पना स्वीकृत की गयी ।प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 66.66% विद्यार्थी सहमत, 13.34%, विद्यार्थी असहमत एवं 20% विद्यार्थी अनिश्चित थे, वहीं शियाट्स विश्वविद्यालय के 20% विद्यार्थी सहमत, 44.66% विद्यार्थी असहमत एवं 33.34% अनिश्चित थे ।

27. इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के कर्मचारियों का व्यवहार नकारात्मक रहा

इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 5 रहा एवं शियाट्स विश्वविद्यालय का परिगणित काई वर्ग मान 1.4 रहा । दोनों ही विश्वविद्यालयों का परिगणित काई वर्ग मान सारणी मान से कम है, अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जा सकती है ।प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार इस कथन पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 33.34% विद्यार्थी सहमत, 50% असहमत एवं 16.66% अनिश्चित थे, वही शियाट्स विश्वविद्यालय के 23.34% विद्यार्थी सहमत, 40% असहमत एवं 36.66 प्रतिशत अनिश्चित थे ।

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

निष्कर्ष

- शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम के संदर्भ में दोनों ही समूह के अधिकांश एम.एड. विद्यार्थी स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम के निहितार्थों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं ।
- इंटर्नशिप कार्यक्रम के पूर्व प्रशिक्षण को लेकर दोनों समूहों के विद्यार्थी बटे हुए हैं, जहां शियाट्स विश्वविद्यालय के एम.एड. विद्यार्थी मानते हैं कि पूर्व प्रशिक्षण दिया गया वहीं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के ज्यादातर एम.एड. विद्यार्थी मानते हैं कि पूर्व प्रशिक्षण नहीं दिया गया ।
- .दोनों ही समूहों के विद्यार्थी मानते हैं कि इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान संबंधित विद्यालयों में कृत्रिम वातावरण का निर्माण हुआ ।
- दोनों ही समूह के बराबर-बराबर विद्यार्थी मानते हैं कि इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान संबंधित विद्यालय के शिक्षको का व्यवहार उनके प्रति सकारात्मक रहा ।
- दोनों ही समूहों के एम.एड. विद्यार्थी मानते हैं कि स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम शिक्षक -शिक्षकों के वृत्तिगत विकास करने में सहायक है ।
- दोनो ही समूहों अधिकांश एम.एड.विद्यार्थी इंटर्नशिप कार्यक्रम को सिद्धांत एवं व्यवहार के मध्य व्याप्त खाई को पाटने में सहायक मानते हैं ।
- दोनों समूहों का यह मिलाजुला दृष्टिकोण है कि इंटर्नशिप द्वारा शिक्षा के विभिन्न सिद्धांतों एवं कौशलों के प्रति समझ विकसित करने में सहायता प्राप्त होती है ।
- कार्यक्रम के द्वारा अवलोकन करने की क्षमता के विकास के प्रति दोनों समूहों के विद्यार्थी कुछ भिन्नता रखते हैं जहां सरकारी विश्वविद्यालय के 63% विद्यार्थियोंका मानना है कि यह सहायक है वहीं स्ववित्तपोषित विश्वविद्यालय के 80% विद्यार्थी इससे सहमत हैं ।
- दोनों समूहों के अधिकांश विद्यार्थी शिक्षक शिक्षकों में इंटर्नशिप कार्यक्रम के द्वारा उनके आत्मविश्वास एवं आलोचनात्मक क्षमता के विकास में सहायक मानते हैं ।
- शोध के निष्कर्षो के आधार पर पता चलता है कि दोनों ही समूह के अधिकांश विद्यार्थी इस बात पर सहमत हैं कि इंटर्नशिप कार्यक्रम कक्षा-कक्ष में सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य किस प्रकार कार्य करते हैं इसको समझने में मदद करता है ।
- शोध निष्कर्षों से पता चलता है कि दोनों ही समूहों के अधिकांश विद्यार्थी मानते हैं कि इंटर्नशिप एक चुनौतीपूर्ण कार्यक्रम है ।
- दोनों समूहों मानते हैं कि यह कार्यक्रम उनके ज्ञानात्मक, भावात्मक एवं क्रियात्मक पक्षों का विकास करने में मददगार है ।

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

- दोनों ही समूहों के बहुत कम विद्यार्थी इस बात से सहमत हैं कि स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम के परिणाम स्वरुप उनके पूर्व व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ है । अतः विद्यार्थी मानते हैं कि उनके व्यवहार में सकारात्मक एवं गुणात्मक परिवर्तन हुआ है ।
- दोनों ही समूहों के एम.एड.विद्यार्थी शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रम में इंटर्नशिप के अधिभार को बढ़ाया जाए इससे सहमत हैं ।
- दोनों समूहों के अधिकांश विद्यार्थी इस बात से सहमत हैं कि वह इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान नियमित रूप से अपने पर्यवेक्षक के संपर्क में बने रहे ।
- इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान दोनों समूहों के विद्यार्थी अपने पर्यवेक्षक से प्रतिपुष्टि प्राप्त करते रहे ।
- इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रति सहपाठियों की भूमिका सकारात्मक एवं सहयोगात्मक रही इसको लेकर दोनों समूहों में छात्रो कि राय सकारात्मक पर मात्रात्मक रूप से भिन्न रही, इस बिंदु पर जहां इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 66%विद्यार्थी सहमत थे वही शियाट्स विश्वविद्यालय में 80% विद्यार्थी सहमत थे ।
- इस कथन पर कि इंटर्नशिप कार्यक्रम शिक्षणगत एवं शिक्षणेत्तर कौशलों के गुणवत्ता विकास एवं संबर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है पर दोनों समूहों के बराबर-बराबर विद्यार्थी सहमत हैं ।
- इंटर्नशिप कार्यक्रम आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक है इस बात पर दोनों ही समूहों के विद्यार्थियोंकि राय समान रूप से वितरित हैं ।
- दोनों ही समूहों के अधिकांश एम.एड.विद्यार्थी इस बात से सहमत हैं कि इंटर्नशिप कार्यक्रम विषय ज्ञान को वास्तविक परिस्थिति में क्रियान्वयन का अनुभव प्रदान करता है ।
- दोनों ही समूहों के 80% विद्यार्थी इस बात से सहमत हैं कि वर्तमान समय में इंटर्नशिप कार्यक्रम की प्रासंगिकता अत्यधिक बढ़ गई है ।
- शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रम में इंटर्नशिप अनावश्यक है इस कथन पर दोनों ही समूहों के अधिकांश विद्यार्थी असहमत हैं ।
- इलाहाबाद विश्वविद्यालय के ज्यादातर एम.एड.विद्यार्थियोंका मानना है कि कार्यक्रम के दौरान संबद्ध विद्यालय के ज्यादातर छात्रोंका व्यवहार नकारात्मक रहा ।
- दोनों ही समूहों के 70% के ऊपर विद्यार्थी मानते हैं कि इंटर्नशिप कार्यक्रम सहभागिता की संस्कृति का विकास करने में सहायक है । दोनों ही समूह के बहोत कम विद्यार्थी इस बात से सहमत हैं कि इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान सम्बंधित विद्यालय के कर्मचारियों का व्यवहार नकारात्मक रहा

संदर्भ ग्रंथ सूची

एन. सी. टी. ई. (2016). गाइडलाइन फॉर स्कूल इंटर्नशिप, रिट्राइव्ड मार्च7, 2017.फ्राम http://ncte-india.org/ncte_new/pdf/SCHOOL%20INTERNSHIP-

भट्टाचार्य, जी. सी. (2016). अध्यापक शिक्षा, आगरा: अग्रवाल पब्लिकेशन.

गौतम, वी. के. (2015). ए कम्प्लीट टेक्स्ट बुक फॉर जी.एन .एम.इंटर्नशिप, नई दिल्ली: जेपी पब्लिशर.

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

निम्बालकर, एस. जे. (2015). 20 वीक्स इंटर्नशिप: अपर्चुनिटीज, चैलेंजेज एंड मेजर्स, पी.पी.72-74, नेशनल कांफ्रेंस, ऑन टीचर एजुकेशन: चेंजिंग सेनेरियो प्रोसीडिंग.सांगली: एस.पी.एस. कालेज ऑफ़ एजुकेशन.

एन. सी. टी. ई. (2014). मास्टर ऑफ़ एजुकेशन प्रोग्राम लीडिंग टू मास्टर ऑफ़ एजुकेशन (एम.एड.) डिग्री अपेंडिक्सवी, द गजेट ऑफ़ इंडिया- एक्स्ट्राऑर्डिनरी, रिट्राइव्ड मार्च 8,2017, फ्राम

http://www.ncte-india.org/ncte_new/regulation2014/english/appendix5.pdf

अग्निहोत्री, आर. (2013). आधुनिक भारतीय शिक्षा: समस्याएं एवं समाधान, जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी.

मिश्रा, के. एस. (2010). शिक्षा मनोविज्ञान के नये क्षितिज, इलाहाबाद: अनुभव पब्लिकेशन हाउस.

सिंह, एस. पी. (2009). अध्यापक शिक्षा, नई दिल्ली, ए. पी. एच. पब्लिशिंग कार्पोरेशन.

स्टीफेन, वी. और ग्वेन, एफ. (2008). बेनिफिट्स आफ द बिजनेस कॉलेज इंटर्नशिप, जर्नल आफ इम्प्लायमेंट काउन्सिलिंग, 45(2) 61-66.

गुप्ता, एस. पी. (1997). सांख्यिकिय विधियां, इलाहबाद: शारदा पुस्तक भवन.

रॉय, पी. (1989). अनुसंधान परिचय, आगरा: अग्रवाल पब्लिकेशन.

वाल्को, आर. जे. और क्लाप्तों, पी. जे. (1975). डिप्रेशन इन द इंटर्नशिप, डिजीज आफ द नर्व्स सिस्टम, 36(1), 26-29.

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies